4/MIL—7 (Syllabus–2015)

2018

(April)

HINDI

(Modern Indian Language)

(Hindi Sahitya)

(HIN–MIL)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) सुख के माथे सिल परै, (जो) नाम हृदय से जाय।
बलिहारी वा दुक्ख की, पल पल नाम रटाय॥

(ख) पुर ते निकसी रघुवीर बधू, धरि धीर दये मग में डग द्वै।
झलकी भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गये अधराधर वै॥
फिरि बूझति है चलनो अब केतिक, पर्नकुटी करिहौं कित ह्वै।
तिय की लखि आतुरता पिय की, अँखियाँ अति चारु चलीं जल च्वै॥

(ग) कठिनाइयों के मध्य अध्यवसाय का उन्मेष हो,
जीवन सरल हो, तन सबल हो, मन विमल सविशेष हो।
छूटे कदापि न सत्य-पथ निज देश हो कि विदेश हो,
अखिलेश का आदेश हो जो, बस वही उद्देश्य हो॥

(घ) अलसता की-सी लता
किन्तु कोमलता की वह कली,
सखी-नीरवता के कन्धे पर डाले बाँह,
छाँह-सी अम्बर-पथ से चली।

(ङ) अब्दों शताब्दियों, सहस्राब्द का अंधकार,
बीता; गवाक्ष अम्बर के दहके जाते हैं;
यह और नहीं कोई, जनता के स्वप्न अजय
चीरते तिमिर का वक्ष उमड़ते आते हैं।

2. हिन्दी गद्य की विकास-यात्रा में भारतेन्दु के अवदानों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

द्विवेदी युग की साहित्यिक विशेषताओं पर विचार कीजिए।

3. 'शुभ-कामना' शीर्षक कविता में कवि ने भारतीयों के लिए किन-किन वरदानों की कामना की है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'संध्या-सुंदरी' शीर्षक कविता के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

4. 'प्रसाद' शीर्षक (रेखाचित्र) की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

अथवा

हरिशंकर परसाई की रचना 'समय पर मिलने वाले' के शीर्षक की सार्थकता का विश्लेषण कीजिए।

5. संज्ञा को परिभाषित करते हुए उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

विशेषण किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

★★★